

B.A.I

Page
~~12~~

डा० उमेश मल्लिक
इतिहास विभाग

अरबों में जनसाधारण की स्थिति

अरब शासन काल में सिव्ध में जनसाधारण की स्थिति अच्छी नहीं थी। दाहिर की तरह जाये और मैदानों में उपाय उरक वालों का व्यवहार अपेक्षापूर्ण था। अर्थात् बल छोड़े की सवारी तथा खिर और पैर से छुड़ने की आजात सर्वसाधारण को नहीं दी जाती थी। खुलेदारों को अतिवादन करने के समय निम्न श्रेणी के लोगों को अपने साथ लूता ले जाना पड़ता था। मुसलमान भाषियों को तीन दिन और तीन रातों तक मुफ्त मौजान देने का प्रबन्ध हिन्दुओं को करना पड़ता था। एक अल्मान्चार का स्थान दूसरे अल्मान्चार ने ले लिया था और जनसाधारण को अल्मान्चार के सामने झुटना पड़ता था। सर्वसाधारण की दृष्टि से अरबों का शासन सन्तोषजनक नहीं था। इस्लाम धर्म स्वीकार करने वाले हिन्दु आदि के बुकिष्वा की स्थिति में भी उन पर अपेक्षाकृत कम अल्मान्चार होता था। फिर भी तुर्कों की कृत्या में अरब-शासन आच्छेक उदार था।

समाप्त